# जोधपुर में भाजपा और कांग्रेस को 44-44 और रालोपा को एक सीट मिली

## पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वार्ड से भाजपा के अशोक खींची चुनाव जीते

- वार्ड 56 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपना मत दिया, वहां से कांग्रेस की पुष्पा देवी ने जीत दर्ज की
- पूर्व मेयर कुंती देवड़ा व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा हारे, पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा की भी हार, तीनों मेयर की रेस में शामिल थे

**जोधपुर, (कासं)।** जोधपुर नगर निगम के 100 वार्डों में हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को हुई। इसमें 99 वार्डों की गणना हो गई है। चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को बहुमत नहीं मिल सका है। भाजपा और कांग्रेस ने 44-44 वार्डों पर अपना कब्जा जमाया है। वहीं आरएलपी ने एक सीट जीती है। निर्दलीय प्रत्याशियों के खाते में 10 सीटें गई हैं। वहीं वार्ड संख्या 50 का परिणाम घोषित नहीं हो सका है। यहां एक ईवीएम में खराबी होने के चलते रिपोलिंग की जाएगी। इस चुनाव में कई दिग्गज हार गए हैं। कांग्रेस में पूर्व मेयर कुंती देवड़ा व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा की करारी हार हुई है। वहीं भाजपा से पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा भी हार गए हैं। यह तीनों मेयर की रेस में शामिल थे।

**शेखावत के वार्ड में कांग्रेस तो गहलोत के वार्ड में भाजपा जीती :-** जोधपुर नगर निगम चुनाव की खास बात रही कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जहां वार्ड संख्या 88 में अपना मतदान किया, उस वार्ड से भाजपा के अशोक खींची चुनाव जीते। दूसरी ओर वार्ड संख्या 56 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपना मत दिया, वहां से कांग्रेस की पुष्पा देवी ने जीत दर्ज की।

जानकारी के अनुसार शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज में जोधपुर नगर निगम चुनाव के 100 वार्डों में से 99 सीटों की मतगणना गई। काउंटिंग की शुरुआत डाक मतपत्रों की गिनती से की। इसके बाद अन्य मतों की गणना हुई। परिणाम के अनुसार वार्ड 99 में भाजपा की निकिता गहलोत ने पूर्व मेयर कुंती देवड़ा को 259 वोटों से शिकस्त दी। वार्ड 42 में कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा को भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के पूर्व राज्यमंत्री मेघराज लोहिया ने उन्हें 279 वोटों के अंतर से हराया।

वार्ड 51 का नतीजा भी खास रहा। कांग्रेस की 21 वर्षीय सरस्वती प्रजापत ने जीत दर्ज की। वे इस चुनाव में सबसे कम उम्र की प्रत्याशी हैं और फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। वार्ड 28 में भाजपा प्रत्याशी और फुटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी विकास राघवानी विजयी रहे। वहीं भाजपा प्रत्याशी और पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा हार गए। कांग्रेस से पूर्व जिलाध्यक्ष नरेशचंद्र जोशी जीते। इस वार्ड से भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर थी। जोधपुर नगर निगम में 100 वार्ड है, यहां 385 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इसमें कांग्रेस और भाजपा के 100-100 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। वहीं अन्य दलों और निर्दलीय की संख्या 185 थी। कुल 7 लाख 12 हजार 164 मतदाता में से 5 लाख 12 हजार 410 मतदाताओं ने अपने वोट का उपयोग किया था। जोधपुर में मतदान प्रतिशत 71.95 प्रतिशत रहा।

**वार्ड नंबर 50 के बूथ 338 पर फिर होगा मतदान :-** वार्ड 50 के बूथ संख्या 338 पर ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी के चलते मतगणना नहीं हो सकी। ईवीएम की जांच के लिए इंजीनियर को बुलाया गया, लेकिन कोशिश के बाद भी मशीन से गणना संभव नहीं हुई। इसकी जानकारी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्याशियों और उनके एजेंटों को दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने पूरे मामले से राज्य निर्वाचन आयोग को अवगत कराते हुए पत्र भेजा है। अब आयोग की अनुमति के बाद 16 सितंबर को बूथ संख्या 338 पर पुनर्मतदान कराया जाना संभावित है।

**आरएलपी ने खोला खाता, निर्दलीयों ने मारी बाजी :-** जोधपुर नगर निगम में इस बार हनुमान बेनीवाल की आरएलपी ने खाता खोल दिया। जोधपुर के वार्ड 66 से रालोपा उम्मीदवार मोहम्मद इरफान उर्फ राजू भाटी ने कांग्रेस के शेर मोहम्मद को 1672 मत से हराया। वहीं जोधपुर निगम के वार्ड से निर्दलीय विशाल सांखला, वार्ड 19 से दिनेश शर्मा, वार्ड 20 से चेतन गहलोत, वार्ड 81 से स्वरूप सिंह, 29 से अफसाना बानो, 48 से दुर्गा मेवाड़ा, 47 से मोहन चौधरी, 27 से कासम खान, 76 से निर्मला नायक और वार्ड 69 से लियाकत अली रंगरेज चुनाव जीते।

# झालावाड़ निकाय चुनाव परिणाम में कांग्रेस का दबदबा

- 45 सीटों में कांग्रेस ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की, बीजेपी 13 सीटों पर सिमटी
- दो निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे, आम आदमी पार्टी ने भी एक सीट पर खाता खोला

**झालावाड़, (निसं)।** झालावाड़ जिले में नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों ने सियासी तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। जिले के आठ निकायों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद कांग्रेस का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

झालावाड़ नगर परिषद में कांग्रेस ने बीजेपी का लगभग सफाया करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं खानपुर, भवानीमंडी और डग में भी कांग्रेस ने शानदार बढ़त बनाई है। दूसरी ओर झालरापाटन, मनोहरथाना और अकलेरा में बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिड़ावा में कांग्रेस सबसे बड़ा दल है, लेकिन यहां बोर्ड गठन के लिए दूसरे दलों और निर्दलीयों की भूमिका अहम हो सकती है। सबसे पहले बात झालावाड़ नगर परिषद की, जिसे बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का सियासी गढ़ माना जाता है। यहां इस बार कांग्रेस ने बीजेपी को बड़ा झटका दिया है। झालावाड़ नगर परिषद की कुल 45 सीटों में कांग्रेस ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी महज 13 सीटों पर सिमट गई। वहीं 2 निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि आम आदमी पार्टी ने भी एक सीट पर खाता खोला है। यानी झालावाड़ नगर परिषद में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है और बोर्ड गठन की राह पूरी तरह साफ दिखाई दे रही है। खानपुर में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया है। कुल परिणाम में कांग्रेस को 18 सीटें, जबकि बीजेपी को 7 सीटें मिली हैं।

इस तरह खानपुर में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। पिड़ावा में मुकाबला कुछ अलग नजर आया। यहां कांग्रेस 8 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर सामने आई है। बीजेपी को 6, आम आदमी पार्टी को 5, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। ऐसे में पिड़ावा में बोर्ड गठन के लिए सियासी जोड़तोड़ और दूसरे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और कुल 20 सीटों में बहुमत के लिए 11 सीटों की जरूरत होगी।

झालरापाटन में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम रखा है। यहां बीजेपी ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 8 सीटें मिली। आम आदमी पार्टी ने भी यहां 5 सीटें जीती हैं। इस तरह झालरापाटन में बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है और बोर्ड गठन की स्थिति उसके पक्ष में दिखाई दे रही है।

भवानीमंडी में कांग्रेस ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन किया है। यहां कांग्रेस के खाते में 26 सीटें आई हैं, जबकि बीजेपी को 13 सीटों पर संतोष करना पड़ा। एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। भवानीमंडी में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। मनोहरथाना में तस्वीर कांग्रेस के मुकाबले बीजेपी के पक्ष में रही। यहां बीजेपी ने 11 सीटें जीती हैं। कांग्रेस के खाते में 6 सीटें, जबकि 3 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। बीजेपी यहां सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। अकलेरा में भी बीजेपी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। बीजेपी ने यहां 25 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 8 सीटें मिली। दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। अकलेरा में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला है। डग में कांग्रेस ने बढ़त बनाई है। कुल मिलाकर झालावाड़ जिले के आठ निकायों के नतीजों में कांग्रेस ने कई महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में बढ़त बनाई है, जबकि बीजेपी ने झालरापाटन, अकलेरा और मनोहरथाना में अपना प्रभाव बरकरार रखा है।

# अलवर में पिता ने बेटे-बेटी को जहर देकर खुद ने भी आत्महत्या की

## बेटे की मौत, बेटी गंभीर, साले को मैसेज कर लिखा कि 'वी आर गोइंग'

- पत्नी की मौत के बाद करीब 3-4 महीने से पति का डिप्रेशन ज्यादा बढ़ गया था, परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार समझाने की कोशिश की थी
- पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है, साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मोहित ने किस वजह से यह कदम उठाया और बच्चों को जहर देने की स्थिति कैसे बनी

**अलवर, (निसं)।** अलवर में पिता ने बेटी-बेटे को जहर दे दिया और खुद ने भी जहर खा लिया। घटना में पिता मोहित (35) और बेटे विवान (6) की मौत हो गई। वहीं साढ़े 3 साल की बेटी कृषा की हालत गंभीर है। बेटी का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सदर पुलिस थाना क्षेत्र में 'अपना घर शालीमार' आवासीय सोसायटी में रविवार देर रात यह घटना हुई।

मोहित के साले राहुल ने बताया कि करीब दो साल पहले मेरी बहन की अचानक मौत हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद से जीजा मोहित मानसिक तनाव में रहने लगे थे। जीजा मोहित ने रविवार रात को मुझे मैसेज किया। मैसेज में लिखा था कि 'वी आर गोइंग' यानी 'हम जा रहे हैं।' मैंने यह मैसेज देखकर जीजा मोहित से पूछा कि 'कहां जा रहे हो?' इस पर मोहित ने जवाब दिया कि 'ऊपर।' मैसेज पढ़ते ही मुझे अनहोनी की आशंका हुई। मैं तुरंत शालीमार स्थित मोहित के फ्लैट पर पहुंच गया। साले राहुल ने बताया कि जीजा मोहित पहले अपने परिवार के साथ जोधपुर में रहते थे। वे वहां बीएसएनएल कंपनी में काम करते थे। करीब एक साल पहले मोहित परिवार के साथ अलवर आए थे। वे यहां शालीमार आवासीय सोसायटी में किराए के फ्लैट में रह रहे थे। राहुल के अनुसार जब मैं फ्लैट पर पहुंचा तो मोहित और उनके दोनों बच्चे अचेत हालत में पड़े थे। मोहित की हालत भी गंभीर थी।

राहुल ने बताया कि उस समय मोहित कुछ बड़बड़ा रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि दोनों बच्चों को बचा लो। इसके बाद मैंने तीनों को संभाला और देर रात जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में डॉक्टरों ने मोहित और उसके विवान को मृत घोषित कर दिया। वहीं साढ़े 3 वर्षीय बेटी की हालत गंभीर होने पर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

राहुल ने बताया कि मेरी बहन की मौत के बाद करीब 3-4 महीने से जीजा मोहित का डिप्रेशन ज्यादा बढ़ गया था। परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन वे इससे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। परिवार के लोग मोहित को सामान्य रहने की कोशिश करने के लिए कहते थे, लेकिन वे डिप्रेशन से बाहर नहीं निकल पा रहा थे। वहीं घटना के पीछे बच्चों को जहर देने और खुद जहर खाने की तत्काल वजह क्या रही, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मोहित ने किस वजह से यह कदम उठाया और बच्चों को जहर देने की स्थिति कैसे बनी।

# अजमेर नगर निगम चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला

## बोर्ड गठन में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है

- भाजपा लंबे समय से निगम में मजबूत स्थिति में रही है, लेकिन इस बार पार्टी बहुमत से तो दूर, कांग्रेस से भी पीछे रह गई
- कांग्रेस 37 सीटों के साथ बहुमत से केवल चार सीट दूर है, बोर्ड बनाने के लिए कम से कम चार पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी

**अजमेर, (निसं)।** अजमेर नगर निगम चुनाव 2026 के परिणामों ने शहर की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। 80 वार्डों के घोषित परिणामों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 37 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा के प्रत्याशी 32 वार्डों में विजयी रहे। वहीं 11 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण अब नगर निगम में बोर्ड गठन को लेकर निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो गई है। बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए दोनों प्रमुख दलों को निर्दलीय पार्षदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

अजमेर नगर निगम में पिछले करीब 36 वर्षों से भाजपा का बोर्ड रहा है। ऐसे में इस बार के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। भाजपा लंबे समय से निगम में मजबूत स्थिति में रही है, लेकिन इस बार पार्टी बहुमत तो दूर कांग्रेस से भी पीछे रह गई। कांग्रेस ने 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में अपनी स्थिति बनाई है। पिछले नगर निगम चुनाव के परिणामों की तुलना करें तो भाजपा के खाते में 48 वार्ड, कांग्रेस के 18 वार्ड, आरएलपी के एक वार्ड और 13 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा की सीटों में बड़ी गिरावट आई है, जबकि कांग्रेस ने अपने पिछले प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया है।

**बहुमत से दोनों दल दूर :-** 80 सदस्यीय नगर निगम में बहुमत के लिए 41 पार्षदों का समर्थन जरूरी है। कांग्रेस 37 सीटों के साथ बहुमत से केवल चार सीट दूर है, जबकि भाजपा 32 सीटों पर सिमट गई है। ऐसे में कांग्रेस को बोर्ड बनाने के लिए कम से कम चार पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। भाजपा को बहुमत तक पहुंचने के लिए कांग्रेस की तुलना में अधिक निर्दलीय पार्षदों को साथ लाना होगा। यही वजह है कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अब11 निर्दलीय पार्षदों पर सभी की निगाहें टिक गई हैं ।निर्दलीय पार्षद जिस दल के साथ जाएंगे, नगर निगम में बोर्ड गठन की तस्वीर उसी के पक्ष में बन सकती है। चुनाव परिणामों ने अजमेर नगर निगम में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े से चार कदम दूर है। वहीं भाजपा के सामने कांग्रेस को रोकने के साथ अपना बोर्ड बनाने की चुनौती है। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका निर्णायक हो गई है।

कांग्रेस के 37 वार्डों में जीत दर्ज करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। लंबे समय से निगम में सत्ता से बाहर रही कांग्रेस इस बार सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। दूसरी ओर भाजपा के 48 से घटकर 32 वार्डों पर आने से पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बन गई है।

### युवक का शव मिला

**गजनेर, (निसं)।** थाना क्षेत्र के इंदा के बाला रोही में पुराने रेलवे फाटक के पास रविवार को एक युवक का शव मिला। यह शव एक सेवा शिविर के पास बर्तनों की धुलाई के लिए बनाए गए पानी के गड्ढे में मिला था। सूचना मिलने पर गजनेर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर बीकानेर के पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार, शव करीब दो दिन पुराना लग रहा है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जिस गड्ढे में शव मिला, वह बाबा रामदेवजी के पैदल यात्रियों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर में बर्तन धोने के लिए बनाया गया था। गड्ढे में पानी और दलदल होने के कारण युवक के पैर फिसलने और उसमें गिरने की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश सुंथार ने बताया कि पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंपने की प्रक्रिया की जाएगी। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

### अफीम का दूध बरामद, महिला गिरफ्तार

**मसूदा, (निसं)।** मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल ने ब्यावर जिले के मसूदा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 135 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद किया। मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल को सूचना मिली थी कि चाड़ों का बाडिया के शिव नगर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है। सूचना पर टीम ने स्थानीय पुलिस से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की। मौके पर पहुंचकर एक महिला की तलाशी ली गई। उसके पास मौजूद प्लास्टिक की थैली से 135 ठााम अफीम का दूध बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर कमला देवी पत्नी प्रभुलाल गुर्जर, निवासी चाड़ों का बाडिया, शिवनगर, थाना मसूदा को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

## सड़क किनारे नवजात बच्ची बैग में मिली

**जोधपुर, (कासं)।** झंवर पुलिस थाना क्षेत्र में बड़लियां गांव की सरहद में सड़क किनारे एक नवजात बच्ची बैग में मिली। उसके जन्म के कुछ देर बाद ही अंजान शख्स उसे बैग में डालकर लावारिश छोड़ गया। बाद में एक ग्रामीण ने देखा तो पुलिस को सूचना दी । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जिंदा बच्ची को कब्जे में लेकर उम्मेद अस्पताल भिजवाया गया। बच्ची पूर्ण स्वस्थ बताई गई है। उसे कब और कौन छोड़ गया इसका पता लगाया जा रहा है। घटना को लेकर एक खेत मालिक की तरफ से झंवर थाने में रिपोर्ट दी गई है।

थानाधिकारी प्रहलादसिंह ने बताया कि बड़लियां गांव की सरहद में सड़क किनारे एक बैग में जिंदा नवजात रोने की आवाज गांव के एक आदमी ने सुनी तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम वहां पहुंची। बैग को चैक करने पर पता लगा कि नवजात बालिका है। उसे कोई बैग में डाल कर रख गया है।

## बीकानेर निगम चुनाव में भाजपा को हराकर कांग्रेस ने परचम लहराया

- कांग्रेस ने नगर निगम चुनाव में 80 में से 42 सीटें जीती, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हारी, पूर्व मंत्री डॉ. कल्ला के भतीजे चुनाव जीते

**बीकानेर, (निसं)।** नगर निगम चुनाव के अब तक सामने आए नतीजों में कांग्रेस ने बढ़त बनाते हुए 42 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा के खाते में 27 वार्ड आए हैं। वहीं 10 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे हैं। वार्ड 23 में एक सीट पर रालोपा की सरोज ने जीत हासिल की है। वार्ड 73 में भाजपा के दीपक पारीक को कांग्रेस के अनिल कल्ला ने चुनाव हरा दिया। कांग्रेस ने ये सीट करीब 800 वोट से जीत ली है। अनिल कल्ला कांग्रेस नेता डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे हैं और मेयर पद के दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हार गई हैं। उनके सामने कांग्रेस की किरण भाटी ने जीत दर्ज की है। सुशीला कंवर पिछले चुनाव में मेयर बनी थी। वर्तमान में भाजपा के निकाय चुनाव घोषणा पत्र में भी वे सदस्य थी। प्रत्याशियों की संख्या के लिहाज से बीकानेर नगर निगम में सबसे ज्यादा उम्मीदवार थे। बीकानेर नगर निगम के 80 वार्डों के लिए 373 उम्मीदवार मैदान में थे। बीकानेर में प्रशासन की मनाही के बाद भी जीते हुए उम्मीदवारों ने रैली निकाली।

# पुष्कर, किशनगढ़, केकड़ी और सरवाड़ में भाजपा का कब्जा

## नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस बराबरी पर, निर्दलीय तय करेंगे अध्यक्ष

- पुष्कर, पीसांगन, सावर, टांटोटी और सरवाड़ में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त के साथ बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत की

**पुष्कर, (निसं)।** तीर्थनगरी पुष्कर नगर परिषद में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। कुल 25 वार्डों में भाजपा ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को चार सीटें मिलीं, जबकि दो वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। पुष्कर के परिणामों ने भाजपा की स्थानीय स्तर पर मजबूत स्थिति को एक बार फिर सामने ला दिया है। यहां बोर्ड बनाने के लिए भाजपा को किसी अन्य दल या निर्दलीय के समर्थन की जरूरत नहीं होगी।

**किशनगढ़ में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी, निर्दलीयों के हाथ में सत्ता की चाबी :-** नगर परिषद चुनाव में भाजपा 29 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है, लेकिन बहुमत के लिए जरूरी 31 सीटों से वह दो कदम दूर रह गई। कांग्रेस ने 21 सीटें जीतीं, जबकि 10 निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए। ऐसे में किशनगढ़ में भी बोर्ड गठन को लेकर जोड़-तोड़ का दौर शुरू हो गया है। भाजपा को बहुमत के लिए दो पार्षदों के समर्थन की जरूरत है, जबकि कांग्रेस के सामने बहुमत तक पहुंचने की चुनौती और बड़ी है। निर्दलीय पार्षदों की भूमिका यहां निर्णायक रहने वाली है।

**केकड़ी में भाजपा को बढ़त, कांग्रेस ने दी कड़ी टक्कर :-** केकड़ी नगर पालिका के 40 वार्डों में भाजपा ने 20 सीटें जीतकर बढ़त बनाई है। कांग्रेस को 18 सीटें मिली हैं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के दो प्रत्याशी विजयी रहे। भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है। वहीं कांग्रेस के मजबूत प्रदर्शन के कारण मुकाबला काफी रोचक रहा। चुनाव परिणाम के बाद पालिका बोर्ड को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

**पीसांगन में भाजपा का एकतरफा प्रदर्शन :-** पीसांगन नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए 20 में से 15 वार्डों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को पांच सीटों पर सफलता मिली। परिणामों में भाजपा का स्पष्ट दबदबा देखने को मिला और बोर्ड गठन का रास्ता भी साफ हो गया।

**सावर में भाजपा का दबदबा कायम :-** सावर नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 में से 15 सीटों पर कब्जा जमाया। कांग्रेस को पांच सीटों पर जीत मिली। भाजपा ने यहां स्पष्ट बहुमत हासिल कर बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत कर ली है।

**टांटोटी में भी भाजपा का बहुमत :-** टांटोटी नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने बढ़त कायम रखते हुए 20 में से 14 वार्डों में जीत दर्ज की। कांग्रेस छह सीटों पर विजयी रही। परिणामों के बाद टांटोटी में भाजपा का बोर्ड बनना लगभग तय माना जा रहा है।

**सरवाड़ में भाजपा ने बहुमत हासिल किया :-** सरवाड़ नगर पालिका के 25 वार्डों में भाजपा ने 15 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। कांग्रेस के खाते में 10 सीटें गईं। यहां निर्दलीय प्रत्याशी कोई सीट नहीं जीत सके।

**नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस बराबरी पर :-** नसीराबाद नगर पालिका चुनाव का सबसे रोचक परिणाम नसीराबाद में सामने आया। 20 वार्डों वाली नगर पालिका में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 9-9 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि दो निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। दोनों प्रमुख दलों के बराबर सीटों पर रहने के कारण अब नगर पालिका अध्यक्ष पद का फैसला दोनों निर्दलीय पार्षदों के रुख पर निर्भर करेगा। ऐसे में नसीराबाद में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और दोनों दल निर्दलीय पार्षदों को अपने पक्ष में करने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

**जिलेभर में कहीं बहुमत तो कहीं निर्दलीयों का दबदबा :-** अजमेर जिले के निकाय चुनाव परिणामों ने स्थानीय राजनीति में अलग-अलग तस्वीर पेश की है। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत से दूर रही। पुष्कर, पीसांगन, सावर, टांटोटी और सरवाड़ में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त के साथ बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत की। किशनगढ़ में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन निर्दलीयों के कारण सत्ता का गणित खुला हुआ है। केकड़ी में भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुंची, जबकि नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस की बराबरी ने मुकाबले को पूरी तरह रोमांचक बना दिया है। नतीजे घोषित होते ही अजमेर नगर निगम, किशनगढ़ नगर परिषद और नसीराबाद नगर पालिका में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

### नशे में अधेड़ ने फांसी लगाई

**जोधपुर, (कासं)।** शहर के मंडोर थाना अन्तर्गत आंगणवा में आई एक कॉलोनी में शराब के नशे में व्यक्ति ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तरफ से मर्ग दर्ज किया। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। मंडोर पुलिस ने बताया कि राकेश विहार कॉलोनी आंगणवा में रहने वाले शैतानराम (45) पुत्र बाबूलाल ने अपने घर में शराब के नशे में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन को पता लगने पर उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने चैक कर मृत बता दिया। उसके पुत्र सुभाष की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई।


**Office of the Additional Chief Engineer (Project) PHED, Ajmer**

Qtr. No. II/2, PHED Colony, Vaishali Nagar, near RIICO Watch Factory,
Ph. No. 0145-2640265, Fax No. 0145-2640265, email: acepajmer@gmail.com
acepajm.phed@rajasthan.gov.in

S.No. F()ACE/Proj/Aj/Ngr/2026-27/3177 Dated: 31.08.2026.

**CORRIGENDUM NO. 01**

**NIB Code:- PHE2627A2166 & UBN No. (PHE2627WLOB04282)**

In continuation to this office NIT No.01/2026-27 issued vide letter no. 2869-2922 dated 12.08.2026. The following amendment are hereby notified: -

| S.N. | Description | As per original NIT | As per this corrigendum |
|---|---|---|---|
| 1 | Date & time for downloading of bid document. | From 13.08.2026 to 07.09.2026 up to 18:00 hrs | From 13.08.2026 to 15.09.2026 up to 18:00 hrs |
| 2 | Date & time for online submission of bid document | 07.09.2026 up to 18:00 hrs | 15.09.2026 up to 18:00 hrs |
| 3 | Documents in proof of deposition of Bid Security, RISL Fee & Tender Fee and Deposition of affidavits on Non-Judicial Stamp Paper 1. ANNEX 3 Power of attorney on Stamp Paper of Rs.500/- 2. HCNP-Rs.500/ 3. शपथ पत्र 'स' on Rs. 100/- | 08.09.2026 up to 13:00 hrs | 16.09.2026 up to 13:00 hrs |
| 4 | Date & Time for Opening of Technical bid. | 08.09.2026 up to 15:00 hrs | 16.09.2026 up to 15:00 hrs |
| 5 | **Pre-qualification:** O&M of Scheme / project | Successful completion of O&M of similar work for at least one (1) year of the following value;- Contract value of O&M of 1 year based on the estimated cost as per below:- Contract value of O&M of 1 year not less than half (12) of the annual estimated cost. Contract Value of O&M of 1 Year not less than 129.75 lac | Successful completion of O&M of similar work for at least one (1) year of the following value;-Contract value of O&M of 1 year based on the estimated cost as per below:-Contract value of O&M of 1 year not less than 1/3rd of the annual estimated cost. Contract Value of O&M of 1 Year not less than 86.5 lac. |

All other terms and conditions shall remain same as mentioned in original tender document.

(Krishan Kumar Agarwal)
Additional Chief Engineer
(Project) PHED, Ajmer

DIPR/C/15693/2026



**माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर**

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 10
राज्य स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 12
राज्य स्तरीय कला एवं वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 12

STATE TALENT SEARCH EXAMINATION - 2026 हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने संबंधी निर्देश

कक्षा-10 तथा कक्षा-12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा - 2026 (STSE-2026) का आयोजन रविवार 22.11.2026 को प्रातः 09.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। ऑनलाईन आवेदन करने की तिथियां निम्नानुसार है:-

| परीक्षा शुल्क (समयावधि अनुसार) | ऑनलाईन आवेदन करने एवं बैंक चालान मुद्रण करने की अंतिम तिथि | मुद्रित चालान द्वारा बैंक में शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि | ऑनलाईन आवेदन पत्र की हॉर्ड कापी मय प्रमाणपत्र तथा परीक्षा शुल्क का बैंक चालान एवम परीक्षार्थियों की सूची भिजवाने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| बिना विलम्ब शुल्क | 15.09.2026 से 24.09.2026 तक | 28.09.2026 | 09.10.2026 |
| विलम्ब शुल्क सहित | 25.09.2026 से 28.09.2026 तक | 30.09.2026 | |

ऑनलाईन आवेदन पत्र भरते समय विद्यालय स्तर पर हुई त्रुटि यथा छात्र के पिता, माता के नाम, वर्तनी/फोटो/लिंग/भाषा/वर्ग में केवल ऑनलाईन संशोधन निशुल्क दिनांक 01.10.2026 से दिनांक 03.10.2026 तक किये जायेंगे।

परीक्षा शुल्क :-

| परीक्षार्थी की श्रेणी | बिना विलम्ब शुल्क रू. | विलम्ब शुल्क सहित रू. |
|---|---|---|
| (1) सामान्य | 300/- | 350/- |
| (2) अनु.जाति/अनु. जनजाति/बी.पी.एल./निःशक्त/CWSN (प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य) | 175/- | 225/- |

विद्यालय द्वारा अग्रेषण शुल्क रूपये 20/- प्रति परीक्षार्थी अलग से लिया जायेगा। अन्य बोर्ड से सम्बन्धित विद्यालय आई.डी पासवर्ड प्राप्त करने हेतु एवं तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु I.T. & C शाखा के दूरभाष नं. 0145-2632865, 2627454 पर सम्पर्क एवं bser.pwd@gmail.com पर ई-मेल करें। परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु ई-मेल stse.bser@gmail.com पर सम्पर्क करें। STSE 2026 का पाठ्यक्रम, विस्तृत विज्ञप्ति व अन्य जानकारी बोर्ड वेबसाईट WWW.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

सचिव